

① विलियम बेंटिन्क के सुधार (Reforms of William Bentinck)

विलियम बेंटिन्क 1828 ई. उ. से 1835 ई. उ. तक गवर्नर-जनरल रहा। उसने मंत्रियों का मामला-सफाई विधायक गणतंत्र के सिद्धान्तों के अनुसार सुधार लाने की शुरुआत की। उसने जमिंदारों (1813-1823) और नौकरशाहों (1823-1828) की नियुक्ति में सुधार करने की योजना बनाई थी। उसने जमिंदारों और नौकरशाहों के बीच के संबंधों को सुधारा देने के लिए उसने जमिंदारों को अधिकार देने का सुधार करने का प्रयास किया। उसने नौकरशाही के सुधार के माध्यम से सुधार-प्रणाली का सुधार करने का प्रयास किया। विलियम बेंटिन्क ने सुधार-प्रणाली के सुधारों में सुधार करने का प्रयास किया। उसने सुधार-प्रणाली के सुधारों में सुधार करने का प्रयास किया। उसने सुधार-प्रणाली के सुधारों में सुधार करने का प्रयास किया।

② वित्तीय सुधार (Financial Reforms)

विलियम बेंटिन्क के गवर्नर-जनरल रहते ही मंत्रियों के सुधारों में सुधार किया गया।

(i) मिहल प्रशासनिक सुधार (Economy in Civil Administration)

मिहल प्रशासनिक सुधार यह सुधार करने का प्रयास किया गया। नौकरशाहों में सुधार करने का प्रयास किया गया। नौकरशाहों में सुधार करने का प्रयास किया गया। नौकरशाहों में सुधार करने का प्रयास किया गया। नौकरशाहों में सुधार करने का प्रयास किया गया।

(ii) सैनिक सुधार (Economy in Military Administration)

सैनिक सुधार यह सुधार करने का प्रयास किया गया। नौकरशाहों में सुधार करने का प्रयास किया गया। नौकरशाहों में सुधार करने का प्रयास किया गया। नौकरशाहों में सुधार करने का प्रयास किया गया।

— भां ए उँडा लॉय रर रिँडा गिन्ना। एम लल मगरा हू
रेही 20,000 यँड ही दामिअर घँरुड जेही।

(iii) राठ यूँडर अरालडां ही ममाघडी (Abolition of four Pro-
vincial Courts of Appeal):—

राठ यूँडर अपील हीमां अरालडां, सिडीमां रेही डियनेगी ईम लगीं रर गीमां मल, ममाघड रर रिँडीमां महीमां। एम लल ही अरु हिर राही घँरुड जे गही।

(iv) डाडीमां ही किनुरडी (Appointment of Indians):—

घँरिरे के नुठेयीमां ही घां डे डाडीमां हू डुँरे अरुहिमां डे किनुरड ररना आठेड रर रिँडा। डाडीमां हू नुठेयीमां डे घरुड पँट उलखगं रिँडीमां नंरीमां मल। एम लही एम लल ही अरु हिर घरुड घँरुड जेही।

(v) अदीम - आमरुन ए मायल (Opium - a source of Revenue)

:- धिगर, घाठम अडे मालहा हिर यँटा जेह हाही अदीम हू ही आमरुन ए एम मायल घाहादिमा गिन्ना। अदीम हू एम घां डे हुरी घां (अम डेर डे मालहा डे घीघरी ही घेरुगाउ डर) किगह लही मगरा डे लमम (Licence) लँहा नुठेगी रिँडा गिन्ना। एहुं लमम डे मगरा हू राही आमरुन यूँपड जेह लँगी।

(vi) रर-मुरड समीसिं हू खेगहा (Resumption of Revenue-free Lands):—

हिलअम घँरिरे के एम लल नुठेगी रीडा, रिमरे अरुमाउ रलैवरुगं हू एम डुरम रिँडा गिन्ना रि डे अरुहिमां

मागील सभियां ही संघ-पड़ताल रगन। घण्ट सिमारा ममं घीउ
राह हे रागह रही लैरां हे यूमार-यँउठ गमारा हुँरे मन। हिम
लही हुँगां मारे लैरां ही सं उं समीत खँउ लही गही सं हुँगां
हुँउे हुँमी रर लगा हिँउ गिन्ना। रही मरुं हीन्नां समीत
ही नघउ रर लहीन्नां गहीन्नां। हिम ताल मरुग ही न्नामरु
हिंउ हाया उँहिन्ना।

(जा) उँउठ - यँहमी यूांउ हा घँरेघमउ (Settlement of North-West
-ern Province) :-

उँउठ - यँहमी यूांउ (न्नायुकिर जू-यी.) हिंउ
निमरुउिउ हुँमी - रर हिंउमखा मसापउ रीडी गही। उँउ
यूांउ ही मागी समीत ही मिहडी रीडी गही न्नाडे रिमारां
सां सिमीरारां सां येँउ येँउहिंउां ताल उं माल हा घँरेघमउ
निमरुउिउ रीउा गिन्ना।

हिंलीन्नाम घँरे हे उँयमेक हिंडी मुयांउ
हा तडीना हिंउ उँहिन्ना रि मरुगी चरुना उँह वाली उँह ही
सां मरा उँहिन्ना गहिंउ लँगा। नरेँ उँउ गहरुतठ - नरुमल घँहिं
मी उं उँउ ममेँ रेपनी हुँ हिंउ रगेँउ गुपहे उं माल चारा उँ
गिग मी, यँउेँ 1835 ही. हिंउ नरेँ उँमेके न्नापहे न्नापहे हुँ
हुँहिंन्ना. उं उँउ ममेँ रेपनी हुँ उँह रगेँउ गुपहे ही हागमिर
घँउउ उँह लँग पही।

(क) यूमामकिर मुयांउ (Administrative Reforms)

(i) डाउडीन्नां ही मरुगी न्नागुरिन्नां उे निमरुडी (Appointment of
Indians on Government Jobs) :-

उँमेके उँउे मरुगी न्नागुरिन्नां
उँउे न्नायेपीन्नां ही सां उे, सिखें उर मँउह उँहिन्ना डाउडीन्नां हुँ
निमरुउ ररुत ही तीडी हुँ न्नापहाहिन्ना। उँउरा हिंउ हिंउा मी
रि डाउडी न्नायेपीन्नां तालें यँह जेग तीं उं न्नाडे डाउडीन्नां
ही निमरुडी ताल खरु हिंउ ही घँउउ उँहेमी, रिउँरि डाउडीन्नां

ii) मुद्रणीयता के घंट उन्हाण देहीमा यै हगीमा

(ii) रहैरहां अउे मरिमटोहां दे रैमां हा मिमरुह (Combina-
-tion of functions of Collector and Magistrate) :-

दिल्लीयम घँटिर के उमदिगात्र ही तीडी उे स्फुरे उेहे त्रिदिगात्रा दे रहैरहां के हुमी-रु मदीयी रैम रुत हे ताल-ताल मुदरमिमा हा ठूमला रुत हे रैम ही मीप हिते । अत्रिगा रुत हिर उेमरा उेरेम वरुठ ही घँरुउ दे ताल-ताल त्रिदिगात्रां हे मामत-पुर्घय के हयेठे रुमल घटाउहा ही मी ।

(iii) पूँम हँ हिराउडा हा दिगात्र (Liberal Attitude towards
Press) :-

दिल्लीयम घँटिर के पूँम हँ हिराउडा हा दिगात्र अयहादिमा । नरे उेमेके मिहल अउे मीतर रुमसागीमां हे उँउे घँट रु हिते उां अँगले-दिडीयत पूँम हिर उेमरी रुडी अालेकता रीडी गही, पूरेउ उेम अहमसा हिर ही उेमेके पूँम उँउे बेही ठेर ता लगाही । उेमेके मामत-राल हिर पूँम ही दिहामिर गुप हिर मुडँउडा गी ।

(iv) उँउेगी-यँहमी यूांउा हा घँरैघमउ अउे माल-घँरुउ ही
मवापत

(Settlement of North-Western Province and
Establishment of Board of Revenue) :- दिल्लीयम
घँटिर के उँउेगी-यँहमी यूांउा हिर उँमी हुमी-रु दिहमका
मवापउ रीडी । उेम यूांउा रैमां मागीमां तमीतां ही मिहरी
रीडी गही अउे हिरां ही उेरिउ देठ रीडी गही । 30 मालां
हरी रिमातां हा त्रिमीहां ताल घँरैघमउ रीडा गिमा

(E) किन्नां मीदीयी मुयाउ (Judicial Reforms)

1. कपील कीन्नां यूाउर कूरालाउां की ममापडी (Abolition of seven Provincial Courts of Appeal):-

विक्रमसिंह ने एलबंटा, मुम्बिराघार, कुरा कडे परत तमी मखानां उे कपील कीन्नां काउ कूरालाउां ममापडु रीडीन्नां मत। वींटेर ने एकुं वीं येगं यूाउर कूरालाउां कू ममापडु रउ रींउा। वींटेर के क्वापडे म्बधरां एर, " एर कूरालाउां उां मरुल मरुदम के एकुं मींघरां की रेदल क्वागम की कां घर के उरि मरीन्नां उर ने रर उींकीन्नां तैरगीन्नां की प्रीमेदगी लही क्वाजेग ममले नारे मत।"

2. रमिमतगां की किलरडी (Appointment of Commissioners):-

विक्रमसिंह वींटेर ने वींगल कू 20 डिप्टीन्नां एरु देउ रींउा। उर एर डिप्टीन्नां एरु एर रमिमतगां की किलरडी रीडी मली। यूाउर कूरालाउां के किन्नां-मीदीयी रीम उर रमिमतगां कूराला रीडे नारु लगे।

3. कलागघार एर मरु कूरालाउां की ममापका (Establishment of Sadar Adalats in Allahabad):-

उमेरे कलागघार एरु एर कलंग मरु रीदली कूरालाउ कडे मरु किलामउ कूरालाउ की ममापका रउ रींउी। 1832 की उे एकुं कूरालाउां ने रीम ररुता क्वाउेउ रउ रींउा।

4. उाउडीन्नां की किल्यांयीन्नां के रुप एरु किलरडी (Appointment of Indians as Judges):-

विक्रमसिंह वींटेर ने घरुउ मारे उाउडीन्नां कू किल्यांयीन्नां के रुप एरु किलरड रीउ। उमेरे

सामन्तपाल द्वि 'मुरमिठ' अउ 'मरु ममीन' हे
अगुनिमां उे उाउीमां नु जी निजुरउ रीउा गिम्मा।
उेहं हे अथिराउ यीलां ताँले रुँह दया रिउे गये।

5. मन्निमटोरां हे निम्रिउ अथिराउ (Definite Powers of Magistrates):-
दिलीअम धीँदिर ने मन्निमटोरां हे रीउे
हेह हे अथिराउ निम्रिउ रउ रिउे। 1829 ची. हे
ठरुमाह द्वि रिउ गिम्मा रि उे अथिराउी नु निम्रिउ
मगिउ हे माह ची रठेर रेर उर र रीउ हे मरुहे मता।

6. रिउीगी-यूषा ही मषायता (Introduction of Jury System):-
धीँदिर र धिर मँउदयुठह निमां-मदीयी
मषाय रिउ जी रि उेमेहे 1832 ची. द्वि धीमाह द्वि
रिउीगी यूषा ही मषायता रीउी। द्विम यूषा अरुमाउ
नूँयेयीअमह रींरां नु मुरेदमिमां र दूँमला रमे ममे
रुँह मरुमाह-जेमे उाउीमां उे मलाउ धीँह र अथिराउ
रिउा गिम्मा।

7. ठारुमी ही धां उे दूरीमां हेमी उअ्राहं ही दउडे (Replacement of Persian by other Vernacular Languages)
दिलीअम धीँदिर ने ठारुमी ही धां उे दूरीमां हेमी
उअ्राहं ही अरुअउां द्वि दउडे ररुह ही अगिम्मा हे
रिउी। द्विम ताह अरुअउां र रीम मीध ताह उेह लंग।